

---

# Shri Ramarangidevacharya Ashtakam

---

## श्रीरामरङ्गिदेवाचार्याष्टकम्

---

### Document Information

Text title : Shri Ramarangidevacharya Ashtakam

File name : rAmarangidevAchAryAShTakam.itx

Category : deities\_misc, rAmAnanda, aShTaka, gurudev

Location : doc\_deities\_misc

Transliterated by : Mrityunjay Pandey

Proofread by : Mrityunjay Pandey

Description/comments : From Chatuh Sampradaya Dig-Darshanm

Latest update : December 8, 2023

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

February 2, 2024

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीरामरङ्गिदेवाचार्याष्टकम्



सम्पादकं च शिष्याणां संस्कारपञ्चकस्य हि ।  
श्रीरामरङ्गिणं वन्दे द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ १ ॥

वेदान्तवेदिनं प्राज्ञं विशिष्टद्वैतवादिनम् ।  
श्रीरामरङ्गिणं वन्दे द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ २ ॥

रामभक्तिप्रदं सिद्धं सिद्धवृन्देन वन्दितम् ।  
श्रीरामरङ्गिणं वन्दे द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ३ ॥

श्रीरामानन्दीयसिद्धान्तसिन्धुपूर्णविधुं बुधम् ।  
श्रीरामरङ्गिणं वन्दे द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ४ ॥

तारकादिरहस्याणां रहस्यज्ञं तपोनिधिम् ।  
श्रीरामरङ्गिणं वन्दे द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ५ ॥

श्रीमदानन्दभाष्याणां मर्मविच्छोकहारकम् ।  
श्रीरामरङ्गिणं वन्दे द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ६ ॥


रामस्य कीर्तनासक्तं रामाराधनतत्परम् ।  
श्रीरामरङ्गिणं वन्दे द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ७ ॥

श्रीमद्वैष्णवधर्मस्य शिक्षकं चाथ रक्षकम् ।  
श्रीरामरङ्गिणं वन्दे द्वाराचार्यं जगद्गुरुम् ॥ ८ ॥

इति श्रीरामरङ्गिदेवाचार्याष्टकं सम्पूर्णम् ।

Encoded and proofread by Mrityunjay Pandey

pdf was typeset on February 2, 2024

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

